पाठ - बस की यात्रा

प्रश्न और उत्तर

प्रश्न 1. "मैंने उस कंपनी के हिस्सेदार की तरफ़ पहली बार श्रद्धाभाव से देखा।" लेखक के मन में हिस्सेदार साहब के लिए श्रद्धा क्यों जग गई?

प्रश्न 2. "लोगों ने सलाह दी कि समझदार आदमी इस शाम वाली बस से सफर नहीं करते।" लोगों ने यह सलाह क्यों दी?

प्रश्न 3. "ऐसा जैसे सारी बस ही इंजन है और हम इंजन के भीतर बैठे हैं।" लेखक को ऐसा क्यों लगा?

प्रश्न 4. "गज़ब हो गया। ऐसी बस अपने आप चलती है।" लेखक को यह सुनकर हैरानी क्यों हुई?

प्रश्न 5. "मैं हर पेड़ को अपना दुश्मन समझ रहा था।" लेखक पेड़ों को दुश्मन क्यों समझ रहा था?

पाठ से आगे

प्रश्न 1. 'सविनय अवज्ञा आंदोलन' किसके नेतृत्व में, किस उद्देश्य से तथा कब हुआ था? इतिहास की उपलब्ध पुस्तकों के आधार पर लिखिए।

प्रश्न 2. सविनय अवज्ञा का उपयोग व्यंग्यकार ने किस रूप में किया है? लिखिए।

प्रश्न 3. आप अपनी किसी यात्रा के खट्टे-मीठे अनुभवों को याद करते हुए एक लेख लिखिए।

प्रश्न 4. अनुमान कीजिए यदि बस जीवित प्राणी होती, बोल सकती तो वह अपनी बुरी हालत और भारी बोझ के कष्ट को किन शब्दों में व्यक्त करती? लिखिए।

अतिरिक्त प्रश्न उत्तर (**Extra Question Answers**)

प्रश्न 1. कंपनी के हिस्सेदार ने बस के लिए क्या कहा?

प्रश्न 2. पहली बार बस किस कारण रुकी?

प्रश्न 3. पाँचों मित्रों ने शाम चार बजे वाली बस से जाने का निश्चय क्यों किया?

प्रश्न 4. लेखक और उसके दोस्त खिड़की से दूर सरककर क्यों बैठ गए?

प्रश्न 5. विदा करने आए लोगों की प्रतिक्रिया देखकर लेखक को कैसा लगा?

प्रश्न 6. लेखक के डॉक्टर मित्र ने बस के विषय में क्या कहा?

प्रश्न 7. लेखक को बस वयोवृद्ध क्यों लगी?

प्रश्न **8.** आगे **–** पीछे से किसी गाड़ी को आता देख बस एकदम किनारे क्यों खड़ी हो जाती थी**?**

प्रश्न **9.** आशय स्पष्ट कीजिए **–**
'आदमी को कूच करने के लिए एक निमित्त चाहिए।'

प्रश्न **10.** निम्नलिखित शब्दों के अर्थ बताइए **–** प्रयाण, पसारे, उत्सर्ग, फिस्स, ग्लानि, निमित्त ।

प्रश्न **11.** बस से यात्रा करते समय लेखक पेड़ों को अपना दुश्मन क्यों समझ रहा था**?**

प्रश्न **12.** लेखक को बस में माँ द्वारा बच्चे को शीशी से दूध पिलाने की बात क्यों याद आ रही थी**?**